

॥ श्रीरुद्रनाम त्रिशती ॥

नमो हिरण्यबाहवे नमः।
 सेनान्ये नमः।
 दिशां च पतये नमः।
 नमो वृक्षेभ्यो नमः।
 हरिकेशेभ्यो नमः।
 पशूनां पतये नमः।
 नमः सस्त्रिञ्जराय नमः।
 त्विषीमते नमः।
 पृथीनां पतये नमः।
 नमो बभ्रुशाय नमः।
 विव्याधिने नमः।
 अन्नानां पतये नमः।
 नमो हरिकेशाय नमः।
 उपवीतिने नमः।
 पुष्टानां पतये नमः।
 नमो भवस्य हेतुये नमः।
 जगतां पतये नमः।
 नमो रुद्राय नमः।
 आतताविने नमः।
 क्षेत्राणां पतये नमः।

१०

२०

नमः सूताय नमः।
 अहन्त्याय नमः।
 वनानां पतये नमः।
 नमो रोहिताय नमः।
 स्थपतये नमः।
 वृक्षाणां पतये नमः।
 नमो मन्त्रिणे नमः।
 वाणिजाय नमः।
 कक्षाणां पतये नमः।
 नमो भुवन्तये नमः।
 वारिवस्कृताय नमः।
 ओषधीनां पतये नमः।
 नम उच्चैर्घोषाय नमः।
 आक्रन्दयते नमः।
 पुत्तीनां पतये नमः।
 नमः कृत्स्नवीताय नमः।
 धावते नमः।
 सत्त्वनां पतये नमः॥
 नमः सहमानाय नमः।
 निव्याधिने नमः।

३०

४०

आ॒व्या॒धिनी॑नां॒ पत॑ये नमः॑।
 नमः॑ ककु॒भाय॑ नमः॑।
 नि॒षङ्गि॑णे नमः॑।
 स्ते॒नानां॑ पत॑ये नमः॑।
 नमो॑ नि॒षङ्गि॑णे नमः॑।
 इ॒षुधि॑मते नमः॑।
 तस्करा॑णां पत॑ये नमः॑।
 नमो॑ व॒श्वते॑ नमः॑।
 प॒रिव॑श्वते नमः॑।
 स्ता॒यूनां॑ पत॑ये नमः॑।
 नमो॑ नि॒चेर॑वे नमः॑।
 प॒रिच॑राय नमः॑।
 अ॒रण्या॑नां पत॑ये नमः॑।
 नमः॑ सृ॒कावि॑भ्यो नमः॑।
 जिघा॑स॒द्भ्यो नमः॑।
 मु॒ष्णतां॑ पत॑ये नमः॑।
 नमो॑ऽसि॒मद्भ्यो नमः॑।
 नक्तं॑ चर॒द्भ्यो नमः॑।
 प्र॒कृन्त॑ानां पत॑ये नमः॑।
 नम॑ उ॒ष्णी॒षिने॑ नमः॑।
 गि॒रिच॑राय नमः॑।
 कुलु॑श्चानां पत॑ये नमः॑।

५०

६०

नम॑ इ॒षुम॑द्भ्यो नमः॑।
 ध॒न्वावि॑भ्यश्च नमः॑।
 वो॒ नमः॑।
 नम॑ आ॒तन्वा॑नेभ्यो नमः॑।
 प्र॒ति॒दधा॑नेभ्यश्च नमः॑।
 वो॒ नमः॑।
 नम॑ आ॒यच्छ॑द्भ्यो नमः॑।
 वि॒सृज॑द्भ्यश्च नमः॑।
 वो॒ नमः॑।
 नमो॑ऽस्य॒द्भ्यो नमः॑।
 वि॒ध्य॑द्भ्यश्च नमः॑।
 वो॒ नमः॑।
 नम॑ आ॒सी॒नेभ्यो नमः॑।
 श॒या॒नेभ्यश्च॑ नमः॑।
 वो॒ नमः॑।
 नमः॑ स्व॒पद्भ्यो नमः॑।
 जाग्र॑द्भ्यश्च नमः॑।
 वो॒ नमः॑।
 नम॑स्ति॒ष्ठद्भ्यो नमः॑।
 धाव॑द्भ्यश्च नमः॑।
 वो॒ नमः॑।
 नमः॑ स॒भाभ्यो॑ नमः॑।

७०

८०

स॒भाप॑तिभ्यश्च॒ नमः॑।
 वो॒ नमः॑।
 नमो॑ अ॒श्वेभ्यो॑ नमः॑।
 अ॒श्वप॑तिभ्यश्च॒ नमः॑।
 वो॒ नमः॑॥
 नम॑ आ॒व्याधि॑नीभ्यो नमः॑। ९०
 वि॒विध्य॑न्तीभ्यश्च॒ नमः॑।
 वो॒ नमः॑।
 नम॑ उ॒गणा॑भ्यो नमः॑।
 तृ॒ःह॒तीभ्य॑श्च॒ नमः॑।
 वो॒ नमः॑।
 नमो॑ गृ॒त्सेभ्यो॑ नमः॑।
 गृ॒त्सप॑तिभ्यश्च॒ नमः॑।
 वो॒ नमः॑।
 नमो॑ ब्रा॒तेभ्यो॑ नमः॑।
 ब्रा॒तप॑तिभ्यश्च॒ नमः॑। १००
 वो॒ नमः॑।
 नमो॑ गु॒णेभ्यो॑ नमः॑।
 गु॒णप॑तिभ्यश्च॒ नमः॑।
 वो॒ नमः॑।
 नमो॑ वि॒रूपे॑भ्यो नमः॑।
 वि॒श्वरूपे॑भ्यश्च॒ नमः॑।

वो॒ नमः॑।
 नमो॑ म॒हद्भ्यो॑ नमः॑।
 क्षु॒ल्लके॑भ्यश्च॒ नमः॑।
 वो॒ नमः॑। ११०
 नमो॑ र॒थिभ्यो॑ नमः॑।
 अ॒रथे॑भ्यश्च॒ नमः॑।
 वो॒ नमः॑।
 नमो॑ र॒थेभ्यो॑ नमः॑।
 र॒थप॑तिभ्यश्च॒ नमः॑।
 वो॒ नमः॑।
 नमः॑ से॒नाभ्यो॑ नमः॑।
 से॒नानि॑भ्यश्च॒ नमः॑।
 वो॒ नमः॑।
 नमः॑ क्ष॒त्तृभ्यो॑ नमः॑। १२०
 स॒ङ्ग्रही॑तृभ्यश्च॒ नमः॑।
 वो॒ नमः॑।
 नम॑स्तक्ष॑भ्यो नमः॑।
 र॒थका॑रेभ्यश्च॒ नमः॑।
 वो॒ नमः॑।
 नमः॑ कु॒लाले॑भ्यो नमः॑।
 क॒मरि॑भ्यश्च॒ नमः॑।
 वो॒ नमः॑।

नमः पुञ्जिष्टेभ्यो नमः।

निषादेभ्यश्च नमः।

वो नमः।

नम इषुकृद्भ्यो नमः।

धन्वकृद्भ्यश्च नमः।

वो नमः।

नमो मृगयुभ्यो नमः।

श्वनिभ्यश्च नमः।

वो नमः।

नमः श्वभ्यो नमः।

श्वपतिभ्यश्च नमः।

वो नमः॥

नमो भवाय च नमः।

रुद्राय च नमः।

नमः शर्वाय च नमः।

पशुपतये च नमः।

नमो नीलग्रीवाय च नमः।

शितिकण्ठाय च नमः।

नमः कपर्दिने च नमः।

व्युत्तकेशाय च नमः।

नमः सहस्राक्षाय च नमः।

शतधन्वने च नमः।

१३०

१४०

१५०

नमो गिरिशाय च नमः।

शिपिविष्टाय च नमः।

नमो मीढुष्टमाय च नमः।

इषुमते च नमः।

नमो ह्रस्वाय च नमः।

वामनाय च नमः।

नमो बृहते च नमः।

वर्षीयसे च नमः।

नमो वृद्धाय च नमः।

संवृध्वने च नमः।

नमो अग्रियाय च नमः।

प्रथमाय च नमः।

नम आशवे च नमः।

अजिराय च नमः।

नमः शीघ्रियाय च नमः।

शीभ्याय च नमः।

नम ऊर्म्याय च नमः।

अवस्वन्याय च नमः।

नमः स्त्रोतस्याय च नमः।

द्वीप्याय च नमः॥

नमो ज्येष्ठाय च नमः।

१६०

१७०

क॒नि॒ष्ठा॒य॒ च॒ नमः॑।
 नमः॑ पू॒र्व॒जा॒य॒ च॒ नमः॑।
 अ॒प॒र॒जा॒य॒ च॒ नमः॑।
 नमो॑ म॒ध्य॒मा॒य॒ च॒ नमः॑।
 अ॒प॒ग॒ल्भा॒य॒ च॒ नमः॑।
 नमो॑ ज॒घ॒न्या॒य॒ च॒ नमः॑।
 बु॒ध्नि॒या॒य॒ च॒ नमः॑।
 नमः॑ सो॒भ्या॒य॒ च॒ नमः॑।
 प्र॒ति॒स॒र्या॒य॒ च॒ नमः॑।
 नमो॑ या॒म्या॒य॒ च॒ नमः॑।
 क्षे॒म्या॒य॒ च॒ नमः॑।
 नम॑ उ॒र्व॒र्या॒य॒ च॒ नमः॑।
 ख॒ल्या॒य॒ च॒ नमः॑।
 नमः॑ श्लो॒क्या॒य॒ च॒ नमः॑।
 अ॒व॒सा॒न्या॒य॒ च॒ नमः॑।
 नमो॑ व॒न्या॒य॒ च॒ नमः॑।
 क॒क्ष्या॒य॒ च॒ नमः॑।
 नमः॑ श्र॒वा॒य॒ च॒ नमः॑।
 प्र॒ति॒श्र॒वा॒य॒ च॒ नमः॑।
 नम॑ आ॒शु॒षे॒णाय॒ च॒ नमः॑।
 आ॒शु॒र॒था॒य॒ च॒ नमः॑।

१८०

१९०

नमः॑ शू॒रा॒य॒ च॒ नमः॑।
 अ॒व॒भि॒न्द॒ते॒ च॒ नमः॑।
 नमो॑ व॒र्मि॒णे॒ च॒ नमः॑।
 व॒रू॒थि॒ने॒ च॒ नमः॑।
 नमो॑ बि॒ल्मि॒ने॒ च॒ नमः॑।
 क॒व॒चि॒ने॒ च॒ नमः॑।
 नमः॑ श्रु॒ता॒य॒ च॒ नमः॑।
 श्रु॒त॒से॒ना॒य॒ च॒ नमः॑॥
 नमो॑ दु॒न्दु॒भ्या॒य॒ च॒ नमः॑।
 आ॒ह॒न॒न्या॒य॒ च॒ नमः॑।
 नमो॑ धृ॒ष्ण॒वे॒ च॒ नमः॑।
 प्र॒मृ॒शा॒य॒ च॒ नमः॑।
 नमो॑ दू॒ता॒य॒ च॒ नमः॑।
 प्र॒हि॒ता॒य॒ च॒ नमः॑।
 नमो॑ नि॒ष॒ङ्गि॒णे॒ च॒ नमः॑।
 इ॒षु॒धि॒म॒ते॒ च॒ नमः॑।
 नम॑स्ती॒क्ष्णेष॒वे॒ च॒ नमः॑।
 आ॒यु॒धि॒ने॒ च॒ नमः॑।
 नमः॑ स्वा॒यु॒धा॒य॒ च॒ नमः॑।
 सु॒ध॒न्व॒ने॒ च॒ नमः॑।
 नमः॑ स्तु॒त्या॒य॒ च॒ नमः॑।
 प॒थ्या॒य॒ च॒ नमः॑।

२००

२१०

नमः काट्याय च नमः।

नीप्याय च नमः।

नमः सूद्याय च नमः।

सरस्याय च नमः।

नमो नाद्याय च नमः।

वैशन्ताय च नमः।

२२०

नमः कूप्याय च नमः।

अवट्याय च नमः।

नमो वर्ष्याय च नमः।

अवर्ष्याय च नमः।

नमो मेघ्याय च नमः।

विद्युत्याय च नमः।

नम ईध्रियाय च नमः।

आतप्याय च नमः।

नमो वात्याय च नमः।

रेष्मियाय च नमः।

२३०

नमो वास्तव्याय च नमः।

वास्तुपाय च नमः॥

नमः सोमाय च नमः।

रुद्राय च नमः।

नमस्ताम्राय च नमः।

अरुणाय च नमः।

नमः शङ्गाय च नमः।

पशुपतये च नमः।

नम उग्राय च नमः।

भीमाय च नमः।

२४०

नमो अग्रेवधाय च नमः।

दूरेवधाय च नमः।

नमो हृन्ने च नमः।

हनीयसे च नमः।

नमो वृक्षेभ्यो नमः।

हरिकेशेभ्यो नमः।

नमस्ताराय नमः।

नमः शम्भवे च नमः।

मयोभवे च नमः।

नमः शङ्कराय च नमः।

२५०

मयस्कराय च नमः।

नमः शिवाय च नमः।

शिवतराय च नमः।

नमस्तीर्थ्याय च नमः।

कूल्याय च नमः।

नमः पार्याय च नमः।

अवार्याय च नमः।

नमः प्र॒तर॑णाय च॒ नमः॑।

उ॒त्तर॑णाय च॒ नमः॑।

नम॑ आ॒ता॒र्या॒य च॒ नमः॑। २६०

आ॒ला॒द्या॒य च॒ नमः॑।

नमः॑ श॒ष्या॒य च॒ नमः॑।

फे॒न्या॒य च॒ नमः॑।

नमः॑ सि॒क॒त्या॒य च॒ नमः॑।

प्र॒वा॒ह्या॒य च॒ नमः॑॥

नम॑ इ॒रि॒ण्या॒य च॒ नमः॑।

प्र॒प॒थ्या॒य च॒ नमः॑।

नमः॑ कि॒श॒िला॒य च॒ नमः॑।

क्ष॒य॒णा॒य च॒ नमः॑।

नमः॑ क॒प॒दि॒ने च॒ नमः॑। २७०

पु॒ल॒स्त॒र्ये च॒ नमः॑।

नमो॑ गो॒ष्ठ्या॒य च॒ नमः॑।

गृ॒ह्या॒य च॒ नमः॑।

नम॑स्त॒ल्प्या॒य च॒ नमः॑।

गे॒ह्या॒य च॒ नमः॑।

नमः॑ का॒ट्या॒य च॒ नमः॑।

गृ॒ह्रे॒ष्टा॒य च॒ नमः॑।

नमो॑ हृ॒द॒य्या॒य च॒ नमः॑।

नि॒वे॒ष्या॒य च॒ नमः॑।

नमः॑ पा॒स॒व्या॒य च॒ नमः॑। २८०

र॒ज॒स्या॒य च॒ नमः॑।

नमः॑ शु॒ष्वा॒य च॒ नमः॑।

ह॒रि॒त्या॒य च॒ नमः॑।

नमो॑ लो॒प्या॒य च॒ नमः॑।

उ॒ल॒प्या॒य च॒ नमः॑।

नम॑ ऊ॒र्व्या॒य च॒ नमः॑।

सू॒र्म्या॒य च॒ नमः॑।

नमः॑ पु॒र्ण्या॒य च॒ नमः॑।

पु॒र्ण॒श॒द्या॒य च॒ नमः॑।

नमो॑ऽप॒गु॒र॒मा॒णाय च॒ नमः॑। २९०

अ॒भि॒घ्न॒ते च॒ नमः॑।

नम॑ आ॒खि॒व॒द॒ते च॒ नमः॑।

प्र॒खि॒व॒द॒ते च॒ नमः॑।

नमो॑ वो॒ नमः॑।

कि॒रि॒के॒भ्यो नमः॑।

दे॒वा॒ना॒ हृ॒द॒ये॒भ्यो नमः॑।

नमो॑ वि॒क्षी॒ण॒के॒भ्यो नमः॑।

नमो॑ वि॒चि॒न्व॒त्के॒भ्यो नमः॑।

नम॑ आ॒नि॒र॒ह॒ते॒भ्यो नमः॑।

नम॑ आ॒मी॒व॒त्के॒भ्यो नमः॑। ३००

॥ इति श्री-श्रीरुद्रनाम त्रिशती सम्पूर्णा ॥

This stotra can be accessed in multiple scripts at:

http://stotrasamhita.net/wiki/Rudra_Trishati_Namavali.



generated on **October 13, 2024**

Downloaded from  <http://stotrasamhita.github.io> |  StotraSamhita | [Credits](#)